Training Report on

Two days training on "Integrated aquatic crop production for livelihood improvement of farmers" during 20-21st Nov. 2024 sponsored by BAMETI, Patna, Bihar

" आजीविका और उद्यमिता विकास हेतु समेकित जलीय फसलोंत्पादन पर आधारित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम"

भाकृअनुप-महात्मा गांधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान ने बामेती, पटना, बिहार द्वारा सम्पोषित किसानों की आजीविका और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निचले भूमि एवम जलजमाव वाले क्षेत्रो में मखाना और सिंघाड़ा जैसी जलीय फसलों पर केंद्रित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (20-21 नवंबर 2024) का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में मोतिहारी, मधेपुरा, सीतामढ़ी, शिवहर, अररिया, दरभंगा और मधुबनी जिलों से कुल 23 प्रशिक्षणार्थियो (ATM +BTM+ Farmers) ने भाग लिया। 20 नवंबर, 2024 को सुबह 9:30 बजे से दोपहर तक संस्थान के वैज्ञानिकों ने संगोष्ठी कक्ष में किसानों को समेकित कृषि पद्धतियों और जलीय फसलों की तकनीकों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद, किसानों को संस्थान के प्रक्षेत्र का भ्रमण कराया गया, जहां मखाना और सिंघाड़ा, बकरी-मछली,और धान-मछली आधारित समेकित कृषि मॉडल को दिखाया गया। अगले दिन, 21 नवंबर 2024 को सुबह 7:00 बजे किसानों को जलीय फसलों के प्रक्षेत्र भ्रमण के लिए भाकृअनुप-केंद्रीय कटाई उपरांत इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के क्षेत्रीय संस्थान, दरभंगा ले जाया गया। वहां किसानों को जलीय फसलों के उत्पादन की उन्नत तकनीकों की जानकारी दी गई और संस्थान के प्रक्षेत्र का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम के समापन पर किसानों से प्रतिक्रिया लिया गया एवम प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सभी प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रुचि दिखाई और भविष्य में ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को पुन: आयोजित करने की मांग की।

इस कार्यक्रम के समन्वयक के तौर पर डा. एस. के. पूर्वे, प्रधान वैज्ञानिक एवं इंजी. विकास पराड़कर, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-महात्मा गांधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान, पीपराकोठी ने कार्य किया |

प्रशिक्षण कार्यक्रम के कुछ छाया चित्र दिए गए है-

उद्घाटन सत्र	भाकृअनुप-महात्मा गाँधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान	संस्थान में प्रक्षेत्र भ्रमण
भा.कृ. अनु. स.- केंद्रीय कटाई उपरांत इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के क्षेत्रीय संस्थान, दरभंगा	प्रमाण पत्र वितरण समारोह	जलीय फसलों के प्रक्षेत्र भ्रमण